अब कौशल विकास के ट्रेनिंग सेंटरों पर लगेगी ‘आधार कार्ड’ आधारित उपस्थिति

चर्चा में क्यों?

25 अक्तूबर, 2023 को हरियाणा कौशल विकास मिशन के निदेशक डॉ. विवेक अग्रवाल ने बताया कि राज्य सरकार ने हरियाणा कौशल विकास मिशन के तहत युवाओं के प्रशिक्षण हेतु चलाए जा रहे प्रदेश के सभी ट्रेनिंग सेंटरों पर ‘आधार कार्ड’आधारित उपस्थिति शुरू करने का निर्णय लिया है।

प्रमुख बिंदु

- विदित हो कि प्रथम चरण में तीन ट्रेनिंग सेंटरों पर पायलेट योजना शुरू की गई, जो सफल रही है। इसी सफलता को देखते हुए अब पूरे राज्य के सभी ट्रेनिंग सेंटरों पर युवाओं की ‘आधार कार्ड’ आधारित उपस्थिति शुरू की जा रही है।
- निदेशक डॉ. विवेक अग्रवाल ने बताया कि राज्य के सभी ज़िलों में प्रशिक्षण भागीदारों के सहयोग से ट्रेनिंग सेंटरों पर अल्पकालिक कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित किये जाते हैं। ये प्रशिक्षण विभिन्न एनएसक्यूएफ संरेखित पाठ्यक्रमों में तीन से चार माह की अवधि के होते हैं।
- इन ट्रेनिंग सेंट्ररों पर असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन, डाटा एंट्री ऑपरेटर, ब्यूटीशियन, वेयर हाउस पैकर, ऑपरेटर, जूनियर एनालिस्ट, सेल्फ एम्प्लॉयड टेलर, योग इंस्ट्रक्टर, इंस्टालेशन तकनीशियन, क्राफ्ट बेकर जैसे कई प्रशिक्षण-कोर्स करवाए जाते हैं।
- डॉ. अग्रवाल ने बताया कि हरियाणा कौशल विकास मिशन के तहत चल रहे विभिन्न ट्रेनिंग सेंटरों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं की उपस्थिति के बारे में कुछ शिकायतें मिली थीं, जिन पर मिशन ने कार्रवाई करते हुए पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर तीन ट्रेनिंग सेंटरों कुरुक्षेत्र, इंद्री (करनाल) व रेवाड़ी में आधार कार्ड आधारित ई-वेरीफिकेशन प्रणाली शुरू की। इसका परिणाम संतोषजनक पाया गया, इसलिये मिशन इसे भविष्य में प्रदेश के सभी केंद्रों पर शीघ्र ही लागू करेगा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/now-aadhaar-card-based-attendance-will-be-done-at-skill-development-training-centers